Demand for stoppage of 22439/22440 Vande Bharat Train at Pathankot Railway Station

MS. INDU BALA GOSWAMI (Himachal Pradesh): Sir, the subject of my Special Mention is 'Demand for Stoppage of 22439 and 22440 Vande Bharat Train at Pathankot Railway Station'.

माननीय रेल मंत्री जी के समक्ष वन्दे भारत ट्रेन संख्या 22439/22440 पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर ठहराव के संबंध में निवेदन करना चाहती हूँ।

वन्दे भारत दिल्ली से कटरा आते और जाते पठानकोट से गुजरती है, किंतु इस स्टेशन पर ठहराव नहीं है। यह बहुत महत्वपूर्ण रूट है, जिसमें पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन (पंजाब), हिमाचल प्रदेश के जिला चम्बा व काँगड़ा के लोगों के लिए एकमात्र ब्रॉड गेज रेलवे लाइन है। साल भर भारी संख्या में लोग मां वैष्णो देवी की यात्रा के लिए जम्मू जाते हैं। इसके पश्चात, अधिकतर लोग प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर देवभूमि हिमाचल प्रदेश में धार्मिक पर्यटन हेतु मां ज्वालामुखी, मां बगलामुखी, नैना देवी, चिंतपूर्णी, चामुंडा देवी, मां ब्रजेश्वरी व शिव मंदिर, बैजनाथ आते हैं। वंदे भारत ट्रेन का पठानकोट कैंट स्टेशन पर ठहराव न होने की वजह से हिमाचल प्रदेश के उपरोक्त धार्मिक स्थल पर्यटकों से वंचित रह जाते हैं। पठानकोट स्टेशन पर वन्दे भारत के ठहराव से आम जन को कटरा जाने में बहुत आसानी होगी तथा धार्मिक पर्यटन को भी निश्चित रूप से बढ़ावा मिलेगा। वन्दे भारत ट्रेन देश की पहली ऐसी रेल सेवा है, जिसमें प्रीमियर सफर का सबसे अधिक ख्याल रखा गया है, इसलिए उपरोक्त रूट पर पठानकोट कैंट स्टेशन पर वन्दे भारत ट्रेन का ठहराव लोकहित में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम होगा। मैं सरकार से माँग करती हूँ कि आप संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर वन्दे भारत ट्रेन का ठहराव कम से कम 2 मिनट के लिए पठानकोट कैंट स्टेशन पर करवाने की कृपा करें, धन्यवाद।

Demand to allow the Hyper or Hypo-pigmented Vitiligo persons to join Indian army

SHRI M. MOHAMED ABDULLA (Tamil Nadu): Sir, attention is drawn in the interest of people who have the autoimmune disorder called Vitiligo. Vitiligo is an acquired de-pigmentation disorder of great concern affecting one to four per cent of the world population.

Sir, a person with Vitiligo develops patches of skin with little or no pigmentation across their body. It is not a lethal or infectious disease. According to the medical standards of the Indian Defence Service, a candidate is deemed medically fit when he has no hyper or hypo-pigmentation or any other disease of the skin. Therefore, people with Vitiligo find it difficult to join the Indian Defence Service. Hence, many of them feel distressed and stigmatized by their condition. Vitiligo candidates have a normal anatomy without loss of any appendages. They are free from all communicable diseases and skin ailments. Even though people who have Vitiligo

disorder are expected to be at risk in adverse weather conditions and at high altitudes, the risk is meagre and almost none for those with mild Vitiligo. Such physically and mentally fit aspirants having all the potential to perform their duties towards the nation should not be stopped from becoming a soldier or officer.

Hence, I humbly request the hon. Minister of Defence to look into this issue with the topmost priority and take necessary steps to regulate the medical standards of the Indian Defence Service, so that they can be placed in civilian posts and offer their services to the nation.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SASMIT PATRA): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri M. Mohamed Abdulla: Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu) and Dr. V. Sivadasan (Kerala).

Demand for starting domestic flights from Meerut to various cities by expanding airstrip under the UDAN Scheme

श्री विजय पाल सिंह तोमर (उत्तर प्रदेश): महोदय, केन्द्र सरकार 'उड़ान योजना' के द्वारा देश के विभिन्न शहरों को घरेलू हवाई सेवा से जोड़ती है। मेरठ पश्चिमी उत्तर प्रदेश का एक मुख्य शहर है, जिसका अपना ऐतिहासिक महत्व है। यहाँ से 1857 में आज़ादी की क्रांति का पहला बिगुल फूंका गया था, जिसकी याद में शहीद स्मारक पर एक म्यूजियम बना तथा वहाँ स्थित बाबा औघड़नाथ शिव मंदिर पर्यटन का एक केन्द्र है। महाभारतकालीन राजधानी हस्तिनापुर मेरठ जिले में स्थित है। पांडवों के समय के वार्णावत, विदुर कुटी, शुक्रताल तथा परीक्षितगढ़ पर्यटन केन्द्र हैं। मेरठ खेल के सामान के हब के रूप में देश में दूसरे नंबर पर है। विश्व भर में क्रिकेट के लिए मेरठ निर्मित बैट-बॉल का प्रयोग किया जाता है। विश्व के अधिकांश खिलाड़ी क्रिकेट के सामान खरीदने यहाँ आते हैं। गत वर्ष यहाँ एशिया स्तर की ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का शिलान्यास माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा किया गया।

मेरठ से उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ करीब 550 किलोमीटर; हाई कोर्ट, प्रयागराज करीब 760 किलोमीटर; वाराणसी का विश्वनाथ मंदिर करीब 850 किलोमीटर और गोरखनाथ धाम मंदिर करीब 800 किलोमीटर है। इन सभी स्थानों पर जाने में रेल से 12 से 20 घंटे का समय लगता है, जिससे यात्रियों को काफी समस्याएँ आती हैं। वर्तमान में मेरठ में एक हवाई पट्टी स्थित है, जहाँ पर चार्टर्ड प्लेन और हेलिकॉप्टर उतरते हैं।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहूँगा कि 'उड़ान योजना' के अंतर्गत मेरठ की हवाई पट्टी का विस्तारीकरण कर देश के विभिन्न शहरों के लिए मेरठ से घरेलू हवाई यात्रा शुरू की जाए।